Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-502

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

B.A. Darshan, Semester : Fifth
दर्शन : प्रश्न-पत्र : द्वितीय
मीमांसा दर्शन-1

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. मीमांसा दर्शन के अनुसार शब्दनित्यत्ववाद का निरूपण करें।
2. अर्थवाद के स्वरूप एवं उसकी सार्थकता का सप्रमाण उल्लेख करें।
3. महर्षि जैमिनि के अनुसार शब्दानित्यत्ववाद का खंडन करें।
4. धर्म के स्वरूप एवं उसके साधक प्रमाणों का उल्लेख करें।
5. वेद के अपौरुषेयत्व के संदर्भ में मीमांसा के मत को प्रस्तुत करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. "अथातो धर्मजिज्ञासा" सूत्र की व्याख्या करें।
7. मीमांसा दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण के लक्षण एवं धर्म के विषय में उसकी अप्रामाणिकता का उल्लेख करें।
8. "पूर्णाहुत्या सर्वान् कामानवाप्नोति" इस शास्त्रवचन से यदि पूर्णाहूति से ही समस्त कामनाओं की पूर्ति संभव है तो विभिन्न अनुष्ठान निरर्थक है। इस आक्षेप का मीमांसा दर्शनानुसार समाधान करें।
9. "अकालिकेप्सा" सूत्र की सप्रसंङ्ग व्याख्या करें।
10. मीमांसा दर्शन में पूर्वपक्ष द्वारा उपस्थापित शब्द अनित्यवाद के संदर्भ में प्रस्तुत हेतुओं का उल्लेख करें।
11. "वेदमधीत्य स्नायात्" इस विधिवाक्य का प्रसङ्गानुसार वर्णन करें।
12. "तुल्यं च साम्प्रदायिकम्" सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।

----------x----------